कक्षा 3

नाम : ....

कक्षा : ....

वर्ग : ....

समर्थ

पाठ्यपुस्तक – भाग 1

LEAD

Head Office
Unit #401, B Wing, Business Square,
Andheri Kurla Road, Chakala,
Andheri East, Mumbai - 400093, India

अभिभावकों के लिए आवश्यक बिंदु

भाषा एक ऐसा माध्यम है, जिसका उपयोग हम अपने भावों को व्यक्त करने और दूसरों के साथ संवाद करने के लिए करते हैं। इसके द्वारा हम अपने आस-पास की दुनिया के बारे में सोचते हैं, इसके अनुसार कार्य करते हैं और इससे जुड़ते हैं। इस प्रकार विद्यार्थियों में भाषा के सभी कौशलों को विकसित करने में, लीड द्वारा निर्मित 'संपूर्ण हिंदी' पाठ्यक्रम एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें रचनात्मक, रुचिकर और ज्ञानवर्धक विषय-वस्तुओं को सम्मिलित किया गया है। इसके प्रमुख अवयव इस प्रकार हैं—

उच्चारण | **शब्द-संसार** | **सुनकर और पढ़कर समझिए** | **भाषा की बात** | **मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति**

इन्हीं अवयवों की सहायता से विद्यार्थी वर्णमाला के स्वरों और व्यंजनों की ध्वनियों को समझकर उनका शुद्ध उच्चारण करते हैं, अपने शब्द-भंडार का संवर्धन करके उनका प्रभावी प्रयोग करने में सक्षम बनते हैं, मूल पाठ की विषय-वस्तु को सुनकर और पढ़कर समझते हैं। साथ ही, वे भाषा से संबंधित व्याकरण-नियमों के अनुसार अपने विचारों को बोलकर और लिखकर अभिव्यक्त करते हैं।

संपूर्ण हिंदी कार्यक्रम एक अनूठा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा-कौशल, सामान्य जागरूकता और नैतिक ज्ञान का विकास करना है, जैसे—

भाषा-कौशल

भाषा सिखाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए भाषा के अवयवों का प्रयोग किया जाता है, जैसे— उच्चारण, शब्द-संसार, भाषा की बात, मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति।

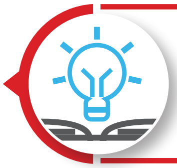

सामान्य जागरूकता

संपूर्ण हिंदी पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों में सामाजिक और व्यवहारिक कौशल का विकास करने के लिए सामान्य जागरूकता के भाव को भी विकसित किया गया है।

नैतिक ज्ञान

संपूर्ण हिंदी पाठ्यक्रम चरित्र-निर्माण और जीवन-मूल्यों के साथ संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण पर केंद्रित है, जिसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु नैतिक ज्ञान को आधार बनाया गया है।

वार्षिक पाठ-योजना

भाग 1	इकाई का नाम	विषय-सूची	इकाई
	देश हमारा विद्यार्थी अपने देश की विविधताओं और देश-प्रेम के भाव को समझेंगे। साथ ही भाषा और लिपि, संयुक्त, द्वित्व व्यंजन की अवधारणा समझते हुए चित्र-वर्णन करने में सक्षम होंगे।	1. देश हमारा (कविता) 2. उत्तर-पूर्व की झलक (लेख) 3. खेल-खेल में (चित्रकथा)	1
	प्रेरक कथाएँ विद्यार्थी पंचतंत्र की कहानियों से मिली सीख और अनुभूति को अपने जीवन में अपनाएँगे। साथ ही संज्ञा और लिंग की अवधारणा को समझते हुए वाक्य-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. लोहे का तराज़ू (कहानी) 2. बोलने वाली गुफा (कहानी)	2
	संसार की पहचान विद्यार्थी संसार के प्रसिद्ध स्थानों, व्यक्तियों से जुड़ी जानकारियों से अवगत होंगे। साथ ही वचन और लिंग की अवधारणा को समझते हुए कहानी-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. पर्वत कहता (कविता) 2. दुनिया के अजूबे (संवाद) 3. ऐसे थे लिंकन (कहानी)	3
	रोमांच और साहस विद्यार्थी अपने जीवन में रोमांच और साहस भरने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे, साथ ही विशेषण की अवधारणा को समझते हुए अनुच्छेद-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. चिड़िया और चुरुंगुन (कविता) 2. जलपरी (जीवनी)	4

भाग 2	इकाई का नाम	विषय-सूची	इकाई
	खेल-खेल में विद्यार्थी विभिन्न खेलों, खेल-भावना और उनसे होने वाले लाभों को समझेंगे। साथ ही 'र' के विभिन्न रूपों की अवधारणा समझते हुए अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने में सक्षम होंगे।	1. आओ हम सब खेले खेल (कविता) 2. गिल्लू ने ढूँढ़ी गेंद (नाटक) 3. कबड्डी का खेल (कहानी)	5
	प्रकृति के साथ विद्यार्थी प्रकृति के महत्व को समझकर उनके प्रति संवेदनशील बनेंगे। साथ ही संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण के संबंध को समझते हुए 1 से 100 तक की हिंदी गिनती बोलकर लिखने में सक्षम होंगे।	1. कौन (कविता) 2. सुनो हमारी बात (चित्रकथा)	6
	कल्पना की उड़ान विद्यार्थी अपनी कल्पना-शक्ति को सही दिशा देने के लिए प्रेरित होंगे। साथ ही शब्द-संसार के सभी मुख्य विषयों को दोहराते हुए अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने में सक्षम होंगे।	1. गीत खुशी के (कविता) 2. अजान के पेड़ (कहानी)	7

समर्थ - भाग 1

विषय-तालिका | पृष्ठ संख्या

विषय-तालिका		पृष्ठ संख्या
वार्षिक पाठ-योजना		03
इकाई 1	देश हमारा	05
इकाई 2	प्रेरक कथाएँ	28
इकाई 3	संसार की पहचान	40
इकाई 4	रोमांच और साहस	56

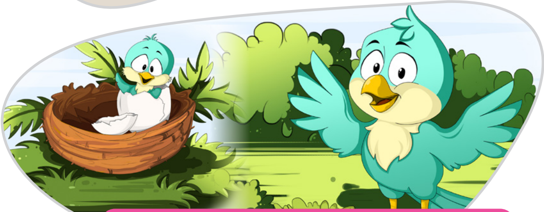

'संपूर्ण हिंदी' में रचनात्मक, रुचिकर और ज्ञानवर्धक विषय-वस्तुओं को सम्मिलित किया गया है, जो विद्यार्थियों में निरंतर पढ़ने और सीखने के प्रति उत्सुकता बनाए रखती है।

लीड में हमारा दृष्टिकोण उन महत्वपूर्ण कौशलों की पहचान करना है, जिससे विद्यार्थियों में हिंदी भाषा को सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की क्षमता का विकास हो।

नोट— मूल्यांकन के लिए प्रश्न-पत्र में कार्यपुस्तिका के प्रश्नों के अतिरिक्त पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न भी पूछे जाएँगे।